2021

HINDI — GENERAL

Paper : GE/CC-3

(Aadhunik Hindi Kavita)

Full Marks : 65

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) किन्हीं दो छायावादी कवियों के नाम बताइए।

(ख) 'यह दीप अकेला' एवं 'मधुप गुनगुनाकर कह जाता' के कवि कौन हैं?

(ग) निराला का पूरा नाम बताते हुए उनके किसी एक काव्य-संग्रह का नाम लिखिए।

(घ) 'कामायनी' तथा 'आंगन के पार द्वार' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ङ) "कलाधर" किस कवि का उपनाम है? उनकी अंतिम रचना का नाम लिखिए।

(च) मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित किन्हीं दो काव्य-संग्रहों के नाम बताइए।

(छ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र किस युग के कवि हैं? उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए।

(ज) 'गंध-रूप-रस-शब्द-स्पर्श, सब साथ साथ इस भू पर' – यह किस कविता की पंक्ति है तथा इसके कवि कौन हैं?

(झ) 'जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा' – यह किस कविता की पंक्ति है तथा इसके कवि कौन हैं?

(ञ) 'वैद्यनाथ मिश्र' किस कवि का मूल नाम है? पाठ्यक्रम में संकलित उनकी किसी एक कविता का नाम लिखिए।

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3

(क) 'शासन की बंदूक' कविता की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'मधुप गुनगुनाकर कह जाता' कविता के माध्यम से कवि ने अपनी आत्मकथा न लिखने के पीछे क्या कारण बताए हैं?

(ग) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

'राहुल, मेरे ऋण-मोक्ष, माप!
लाऊँ मैं जब तक अमृत आप,
माँ ही तेरी माँ और बाप,
दुल, मातृ-हृदय के मृदुल दाम!
ओ क्षणभंगुर भव, राम राम!'

(घ) 'भीतर भीतर सब रस चूसै।
हँसि हँसि कै तन मन धन मूसै।।'
– मुकरी का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'ले चल वहाँ भुलावा देकर' कविता की मूल-संवेदना स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3

(क) 'यशोधरा' के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त के दार्शनिक विचारों पर प्रकाश डालिए।

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'बहुत दिनों के बाद' कविता में कवि नागार्जुन द्वारा व्यक्त किए गए अनुभवों का वर्णन कीजिए।

(घ) जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'कलगी बाजरे की' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।